बक्सवाहा छात्रावास की अधीक्षिका निलंबित

रात में पति के ठहरने पर जिला पंचायत सीईओ ने की सख्त कार्रवाई

छतरपुर,31 दिसंबर. जिले के बक्सवाहा स्थित छात्रावास में नियमों के उल्लंघन का मामला सामने आने पर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है.

छात्रावास परिसर में रात के समय अधीक्षिका के पति के ठहरने की पुष्टि होने के बाद संबंधित अधीक्षिका को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है. मामले की पुष्टि जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी नम: शिवाय अरजरिया ने बुधवार दोपहर लगभग 3.30 बजे की. उन्होंने बताया कि छात्रावास जैसे संवेदनशील शैक्षणिक संस्थान में शासन द्वारा निर्धारित नियमों, अनुशासन और मर्यादाओं का पालन करना अनिवार्य है. किसी भी प्रकार की लापरवाही या नियम विरुद्ध गतिविधि को गंभीरता से लिया जाएगा. सीईओ नम: शिवाय अरजरिया ने कहा कि छात्रावास में रह रहे विद्यार्थियों की सुरक्षा, गोपनीयता और अनुशासन सर्वोच्च प्राथमिकता है. प्रारंभिक जांच में नियमों का उल्लंघन पाया गया, जिसके चलते अधीक्षिका को निलंबित करने की कार्रवाई की गई है. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मामले की विस्तृत जांच जारी है और यदि जांच में अन्य तथ्य सामने आते हैं तो संबंधितों के विरुद्ध अतिरिक्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी.

> प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद जिले के सभी छात्रावासों को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है. संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि छात्रावासों का नियमित निरीक्षण किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी नियमों का सख्ती से पालन हो. इस घटनाक्रम के बाद प्रशासन ने साफ संदेश दिया है कि विद्यार्थियों की सुरक्षा और संस्थानों की गरिमा से कोई भी समझौता नहीं किया जाएगा. नियमों के उल्लंघन पर जिम्मेदारों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएंगे.

कलेक्टर ने बच्चों की सुरक्षा, सुविधाओं व्यवस्थाओं को लेकर दिए सख्त निर्देश

▶ कलेक्टर ने बाल संप्रेषण गृह व सीडब्लूसी का किया निरीक्षण

छतरपुर,31 दिसंबर. छतरपुर कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने बुधवार दोपहर लगभग 1 बजे बाल संप्रेषण गृह एवं बाल कल्याण समिति कार्यालय का औचक निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया.

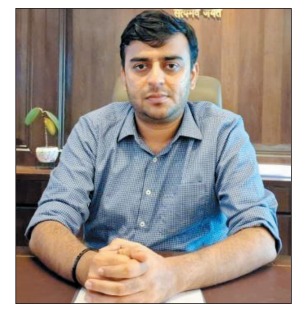

निरीक्षण के दौरान उन्होंने शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए. कलेक्टर ने बाल संप्रेषण गृह में रह रहे बच्चों की सुरक्षा, रहन-सहन, भोजन, स्वास्थ्य सुविधाओं एवं शिक्षा व्यवस्था की विस्तार से समीक्षा की. उन्होंने आवासीय कमरों, साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था, शौचालय, रसोईघर तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण किया. कलेक्टर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि बच्चों की सुरक्षा, सम्मान और गरिमा से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा. निरीक्षण के दौरान भोजन की गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए नियमित जांच के निर्देश दिए गए. बच्चों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता और आपात स्थिति में त्वरित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए. इसके साथ ही बच्चों की पढ़ाई, काउंसलिंग एवं मानसिक विकास से जुड़ी गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर भी बल दिया गया. बाल कल्याण समिति कार्यालय के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने प्रकरणों के त्वरित निराकरण, रिकॉर्ड संधारण एवं बच्चों से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता बरतने के निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि बच्चों के भविष्य से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. अंत में कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की गाइडलाइन के अनुसार नियमित निरीक्षण किया जाए और पाई गई कमियों को तत्काल दूर कर बच्चों को सुरक्षित, स्वच्छ और सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराया जाए.

बंद कमरे में सोए वृद्ध दंपती बेहोश

▶ कार्बन मोनोऑक्साइड गैस से बिगड़ी हालत, भोपाल रेफर

छतरपुर,31 दिसंबर. कड़ाके की ठंड से बचने के लिए अपनाया गया एक सामान्य उपाय छतरपुर में एक वृद्ध दंपती के लिए जानलेवा साबित होते-होते रह गया.

बंद कमरे में सिगड़ी (अंगीठी) जलाकर सोने से कमरे में जहरीली गैस भर गई, जिससे दंपती बेहोश हो गए. घटना छतरपुर शहर के ओरछा रोड स्थित पेप्टेक टाउन की है. यहां निवासी विनोद रूसिया (72) और उनकी पत्नी शारदा रूसिया (70) मंगलवार शाम ठंड अधिक होने के कारण कमरे के अंदर सिगड़ी जलाकर सो गए. देर रात तक दरवाजा-खिड़की बंद रहने से कमरे में ऑक्सीजन का स्तर

तेजी से गिर गया और कार्बन मोनोऑक्साइड गैस भर गई, जिससे दोनों का दम घुटने लगा. विनोद रूसिया के बेटे, जो राजस्व विभाग में पटवारी के पद पर कार्यरत हैं, ने देर रात माता-पिता से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ. अनहोनी की आशंका होने पर उन्होंने पड़ोसियों को फोन कर घर देखने को कहा. मौके पर पहुंचे पड़ोसियों ने देखा कि घर के अंदर से धुआं निकल रहा है और दोनों बुजुर्ग बेहोशी की हालत में पड़े हुए हैं. तत्काल एंबुलेंस बुलाकर दोनों को जिला अस्पताल लाया गया. जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ. नीरज सोनी ने बताया कि बंद कमरे में आग जलने से ऑक्सीजन की मात्रा कम हो गई थी और कार्बन मोनोऑक्साइड गैस बढ़ने से दोनों को सांस लेने में गंभीर परेशानी हुई तथा उल्टियां भी हुईं. प्राथमिक उपचार और ऑक्सीजन सपोर्ट के बाद दोनों को आईसीयू में भर्ती किया गया. हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए वृद्ध दंपती को भोपाल के हायर सेंटर रेफर कर दिया. घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है. प्रशासन और चिकित्सकों ने लोगों से अपील की है कि ठंड के मौसम में बंद कमरों में सिगड़ी या अंगीठी का उपयोग न करें, क्योंकि यह जानलेवा साबित हो सकता है.

नव वर्ष से पहले बागेश्वर धाम में श्रद्धालुओं का सैलाब, बालाजी महाराज के दर्शन को उमड़ी भीड़

छतरपुर,31 दिसंबर. नव वर्ष के आगमन से पहले छतरपुर जिले के ग्राम गढ़ा स्थित विश्व प्रसिद्ध बागेश्वर धाम में बुधवार को श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा.

देश और प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में भक्त बागेश्वर धाम पहुंचे और बालाजी महाराज के दर्शन कर नव वर्ष के लिए सुख, शांति और समृद्धि की मंगलकामना की. सुबह के समय से ही मंदिर परिसर में दर्शन के लिए लंबी-लंबी कतारें लगी रहीं. नव वर्ष को देखते हुए बागेश्वर धाम परिसर को विशेष रूप से आकर्षक ढंग से सजाया गया है. रोशनी, पुष्प सज्जा और धार्मिक प्रतीकों से सुसज्जित धाम परिसर भक्तों को आकर्षित करता नजर आया. श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन और धाम प्रबंधन द्वारा पुख्ता इंतजाम किए गए हैं. भीड़ नियंत्रण के लिए पुलिस बल की तैनाती की गई है, वहीं बैरिकेडिंग कर श्रद्धालुओं को कतारबद्ध दर्शन कराए जा रहे हैं.

कलेक्टर ने स्तुति बाल गृह और राजयश्री शिशु गृह का किया निरीक्षण

छतरपुर,31 दिसंबर. कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने छतरपुर के घुषयाना मोहल्ला स्थित स्तुति बाल गृह का निरीक्षण कर बच्चों के लिए उपलब्ध सुविधाओं और संचालन की समीक्षा की. डीपीओ महिला बाल विकास विभाग दिनेश दीक्षित सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे. निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मनोरंजन कक्ष, रसोई, सभाकक्ष, भण्डार कक्ष, लाईब्रेरी, कम्प्यूटर कक्ष, बीमार बालकों का कक्ष और शौचालय आदि का अवलोकन किया और साफ-सफाई तथा व्यवस्थित संचालन की प्रशंसा की. अधीक्षक ने बताया कि बाल गृह में 6 से 18 वर्ष तक के उन बच्चों को संरक्षण दिया जाता है, जो किसी कारणवश परिवार से बिछड़ गए हो.

नाली निर्माण कार्य पर 300 रुपये प्रतिदिन पर लगाए बच्चे

▶ नाबालिग से बलकौरा ग्राम पंचायत में करा रहे मजदूरी

लवकुशनगर, 31 दिसंबर. जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बलकौरा में नाबालिग बच्चों से मजदूरी कराए जाने का मामला सामने आया है.

उचित मूल्य की दुकान के पास मुख्य मार्ग किनारे चल रहे नाली निर्माण कार्य में नाबालक बच्चों को 300 रुपये प्रतिदिन की दर से मजदूरी पर लगाया गया है, जो शासन के स्पष्ट निर्देशों का उल्लंघन है. स्थानीय लोगों के अनुसार निर्माण कार्य में प्रयुक्त रेत की गुणवत्ता भी मानकों के अनुरूप नहीं है. मिट्टी मिली रेत का उपयोग किया जा रहा है, जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं. काम कर रहे नाबालिग हरिओम राजपूत ने बताया कि वह पिछले दो दिनों से काम कर रहा है और उसे 300 रुपये प्रतिदिन मजदूरी दी जा रही है. नाबालिग की उम्र करीब 16 वर्ष बताई जा रही है. ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच और सचिव

अपने मनमाने ढंग से कार्य करा रहे हैं. शासन और प्रशासन द्वारा नाबालिग बच्चों से श्रम न कराने के सख्त निर्देश दिए गए हैं, इसके बावजूद पैसे का लालच देकर बच्चों से मजदूरी कराई जा रही है. मामले को लेकर जब उपयंत्री राकेश प्रजापति से संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि वे दो दिन पहले मौके पर निरीक्षण के लिए गए थे. उन्होंने कहा कि रोज निरीक्षण संभव नहीं है, लेकिन यदि नाबालिग बच्चों से कार्य कराए जाने की पुष्टि होती है तो इसे तत्काल रोका जाएगा. उन्होंने आश्वासन दिया कि वे पुन: स्थल पर जाकर जांच करेंगे. इस मामले के सामने आने के बाद जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं.

भावांतर योजना की किस्त को लेकर यूथ कांग्रेस का प्रदर्शन

छतरपुर, 31 दिसंबर. भावांतर योजना की किस्त समय पर जारी न होने से नाराज किसानों ने बुधवार को यूथ कांग्रेस के साथ छतरपुर कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया. दोपहर करीब 2 बजे किसान एवं यूथ कांग्रेस कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने प्रशासन को आवेदन सौंपकर योजना की लंबित राशि जल्द जारी करने की मांग की. प्रदर्शन कर रहे किसानों ने बताया कि भावांतर योजना की किस्त न मिलने से उन्हें आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है. खेती-किसानी से जुड़ी आवश्यकताओं और पारिवारिक खर्चों को पूरा करना मुश्किल हो गया है. किसानों का कहना है कि सरकार द्वारा घोषित योजनाओं का लाभ समय पर न मिलने से उनकी समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं. यूथ कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार की किसान हितैषी योजनाएं केवल घोषणाओं तक सीमित रह गई हैं और जमीनी स्तर पर किसानों को लाभ नहीं मिल पा रहा है.

श्री प्रफुल्ल कुमार माहेश्वरी नवभारत चैरीटेबल ट्रस्ट द्वारा

छात्र छात्राएँ एवं सभी आयु वर्ग के लिए

फ्री कम्प्यूटर प्रशिक्षण

आवेदन करें

मो. 7772991010 इस WhatsApp No.

या नवभारत प्रेस में जमा करें समय 10 से 5 के बीच में

पता- 3 इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स रामगोपाल माहेश्वरी मार्ग जोन 1 एम.पी. नगर भोपाल

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA

चबाने वाले तंबाकू, जर्दा सुगंधित तंबाकू और गुटखा के निर्माता ध्यान दें !

CBC 15502/13/0048/2526

1 फरवरी, 2026 से
क्षमता-आधारित उत्पाद शुल्क लागू

चबाने वाला तंबाकू, जर्दा सुगंधित तंबाकू एवं गुटखा, जो पैकिंग मशीन की सहायता से निर्मित होकर पाउच में पैक किए जाते हैं, उन पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क उत्पादन क्षमता के आधार पर 1 फरवरी, 2026 से लागू किया जाएगा।

पहले से पंजीकृत करदाताओं को नए केंद्रीय उत्पाद शुल्क पंजीकरण कराने की आवश्यकता नहीं है।

ऐसे निर्माताओं द्वारा अपने परिसर में मशीनों के विवरण के संबंध में निर्धारित नियम के अनुसार निर्धारित प्रारूप में डिक्लेरेशन, 1 फ़रवरी, 2026 से 7 फ़रवरी, 2026 के बीच संबंधित क्षेत्राधिकार के केंद्रीय उत्पाद शुल्क के उप/सहायक आयुक्त के पास प्रस्तुत करनी होगी

क्र.सं	अनुपालन	देय तिथि
1.	केंद्रीय उत्पाद शुल्क का भुगतान एक माह हेतु	उसी माह की 6 तारीख
2.	केंद्रीय उत्पाद शुल्क रिटर्न एक माह हेतु	उसी माह की 10 तारीख

अन्य पैकिंग (जैसे टिन आदि) के मामलों में शुल्क, खुदरा बिक्री मूल्य (आर एस पी) के आधार पर (निर्धारित छूट के अधीन) अदा किया जाएगा।

अधिक जानकारी के लिए कृपया नोटिफिकेशन संख्या. 04/2025-केंद्रीय उत्पाद शुल्क, दिनांक 31 दिसंबर, 2025 देखें।

@cbic_india @cbicindia @CBICINDIA @cbicindia @CBICIndia www.cbic.gov.in